UP Board Notes Class 8 English Chapter 15 The Glorious Sportswomen of India

WORD MEANINGs (शब्दार्थ)
dominated– हावी हुआ, **encouraged**– प्रोत्साहित किया, **conferred**– प्रदत्त किया, **virtues** – सद्‌गुण, **motivated** – प्रेरित किया, **glory** – सम्मान मिलना या गर्व महसूस होना, **tortunately** – सौभाग्यवश, **athelete** – खेलकूद प्रतिभागी, **honoured** – सम्मानित किया।

Åपाठ का हिन्दी अनवुाद)।

In India, ... their career.
| हिन्दी अनुवाद- भारत में, पुरुषों की खेल जगत में अभी भी प्रधानता है। महिलाओं को अक्सर खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता। बचपन से ही, लड़कियों को अच्छी गृहणी बनने के सद्‌गुण सिखाए जाते हैं जबकि लड़कों को बाहर खेले जाने वाले खेल खेलने के लिए प्रेरित किया जाता है।
आज भी, जब माता-पिता बच्चों के लिए खिलौने खरीदने जाते हैं तो अपनी बेटियों के लिए वे गुड़ियाँ, घर के अन्दर खेलने वाले खेल (गेम्स) और रसोई खेल सेट लेते हैं और बेटों के लिए क्रिकेट बल्ले और फुटबॉल खरीदते हैं।
जबकि दूसरी ओर बहुत सी भारतीय महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने भारत के लिए मैडल और खिताब जीतकर देश को सम्मानित किया है।
अब महिलाओं के लिए बहुत सी चीज़ों में सुधार आया है। भारतीय महिलाओं का खेलों में योगदान और स्थान पुरुषों के बराबर आ गया है।
सौभाग्यवश, हमारे पास बहुत सी महिला खिलाड़ी हैं, जो युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं, उनकी सफलता ने दूसरी लड़कियों को खेलों को अपनी आजीविका बनाने को प्रेरित किया है।

PT Usha ..... Ratna Award.
हिन्दी अनुवाद- पी टी ऊषा भारत की सबसे सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। उन्हें भारतीय ट्रैक एंड फील्ड की महारानी' कहा जाता था। पी टी ऊषा को 'पद्मश्री' और 'अर्जुन पुरस्कार' मिले। भारतीय ओलंपिक संघ के द्वारा उन्हे 'शताब्दी की बेहतरीन खिलाड़ी' का नाम दिया गया।
साइना नेहवाल को भारतीय बैडमिंटन की 'गोल्डन गर्ल' कहा जाता है। भारतीय खेलों के इतिहास में वह पहली महिला हैं जिन्हें विश्व बैडमिंटन में प्रथम दर्जा मिला। उन्हें बैडमिंटन खेलने के लिए 'पद्म भूषण', 'पद्म श्री', 'राजीव गाँधी खेल रत्न' और 'अर्जुन पुरस्कार मिले हैं।
राष्ट्रीय बाल भारती कक्षा-8 (उत्तर प्रदेश) सानिया मिर्जा भारतीय खेलों में सबसे अधिक जाने-पहचाने चेहरों में से एक है। वह भारतीय लॉन टेनिस' का एकमात्र महिला चेहरा है, जो महिला युगल की श्रेणी में प्रथम स्थान पर रही हैं। उन्हें 'अर्जुन पुरस्कार', 'डब्लू टी ए न्यूकमर ऑफ द ईयर', 'पद्म श्री', 'राजीव गाँधी खेल रत्न' और 'पद्म भूषण' पुरस्कार मिले हैं। | पी वी सिंधु बैडमिंटन के जगत में उभरता सितारा है, जो बी डब्लू एफ की विश्व श्रेणी में नम्बर दो के स्थान पर है। बैडमिंटने वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली वह भारत की पहली महिला एकल खिलाड़ी है। उन्हें 'अर्जुन पुरस्कार', 'पद्म श्री' और 'राजीव गाँधी खेल रत्न' पुरस्कार मिले हैं।

https://www.evidyarthi.in/

MC Mary..... sports ground.
हिन्दी अनुवाद- एम सी मैरी कॉम को 'मिलियन रूपि बेबी' के नाम से भी जाना जाता है। यह बलवान महिला पाँच बार मुक्केबाजी (बॉक्सिंग) विश्व चैंपियन रही हैं और उन्होंने ओलंपिक काँस्य पदक भी जीता है। लंदन ओलंपिक में भारत की तरफ से काँस्य पदक जीतने वाली वह पहली महिजा मुक्केबाज़ हैं। उन्हें 'पद्म भूषण', 'पद्मश्री', अर्जुन पुरस्कार और 'राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
मिथाली राज भारतीय महिला क्रिकेट टीम का जाना-माना चेहरा हैं और आई सी सी विश्व महिला क्रिकेट रेटिंग में प्रथम श्रेणी प्राप्त हैं। वह टैस्ट और एक-दिवसीय मैचों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हैं। महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वह सर्वाधिक रन बना चुकी हैं। उन्हें 'अर्जुन पुरस्कार', 'पद्मश्री', 'यूथ स्पोर्ट्स आइकन ऑफ एक्सीलैंस पुरस्कार' और कई पुरस्कार मिले हैं।
गीता फोगाट एक भारतीय पहलवान हैं और भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं जिनका ओलंपिक में चयन हुआ। वह एक फ्रीस्टाइल पहलवान हैं जिन्होंने भारत के लिए पहलवानी में पहला स्वर्ण पदक राष्ट्रमंडल खेलों में जीता। उन्हें 2012 में राष्ट्रीय खेलों में उत्कृष्ठ उपलब्धि के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
अरूणिमा सिन्हा भारत की पहली विकलाँग महिला हैं, जिन्होंने माउंट ऐवरेस्ट पर चढ़ाई की। एक भूतपूर्व राष्ट्रीय फुटबॉल और वॉलीबाल खिलाड़ी रह चुकी अरूणिमा ने अपनी टाँगे 2011 में खोई जब वो चोरों के आक्रमण का विरोध कर रही थीं और उन्हें चलती रेलगाड़ी से बाहर फेंक दिया गया। उन्हें 'पद्मश्री' एवं 'अर्जुन पुरस्कार' के बराबर 'टेन्जिंग नॉरगे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार' मिले हैं। | ऐसी बहुत सी भारतीय महिला खिलाड़ी हैं जो अपने परिवार और देश के लिए सम्मान जीत कर लाती हैं। हमारे समाज को अभी भी यह समझने की आवश्यकता है कि लड़कियों में व्यक्तित्व विकास के लिए उनका खेलों में उत्साह बढ़ाना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शिक्षा में महत्वपूर्ण है। दल-निष्ठा, नेतृत्व, निर्णय लेने की क्षमता और नम्रता जैसे सद्‌गुण खेलों के । मैदान में बेहतर सीखे जा सकते हैं।

https://www.evidyarthi.in/